५. कबीर के दोहे

(क). नीचे दिए गए प्रश्नों के चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।

1. कबीर किस प्रकार के साधु को श्रेष्ठ मानते हैं?
   a) जैसे चावल ☐ b) जैसे कपास ☐
   c) जैसे सूप ☐ d) जैसे नाव ☐
2. "बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर" –
3. यहाँ कवि ने किसकी आलोचना की है?
   a) खजूर के वृक्ष की ऊँचाई की ☐
   b) केवल नाम के बड़े लोगों की ☐
   c) गरीब लोगों की ☐
   d) मेहनतकश लोगों की ☐
4. कबीर के अनुसार मन का अहंकार किससे मिटता है?
   a) धन से ☐ b) गुरु की आज्ञा से ☐
   c) साधु संगति से ☐ d) तपस्या से ☐
5. "साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप" – इस दोहे का मुख्य संदेश क्या है?
   a) झूठ बोलने से धन मिलता है ☐
   b) सच सबसे बड़ा तप है ☐
   c) तपस्या व्यर्थ है ☐
   d) गुरु की महिमा अधिक है ☐
6. "केहि बराँ मन पंछाई भया, भइ तहाँ को जाया" – यहाँ मन को किससे तुलना की गई है?
   a) नाव से ☐ b) पेड़ से ☐
   c) पक्षी से ☐ d) दीपक से ☐

(ख) निम्नलिखित दोहों का भाव स्पष्ट कीजिए।

1. साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुवाय।
   सार-सार को गहि रहै, थोथा देइ उड़ाय।।
   उत्तर: ____
   ____
   ____
   ____

2. बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
   पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।।
   उत्तर: ____
   ____
   ____
   ____

3. पानी बिन नाव कैसी, बिना विचार न ज्ञान।
   बिना साधु संगति नहीं, मिटे मन का अभिमान।।
   उत्तर: ____
   ____
   ____
   ____

(ग) सही कथनों के सामने 'सही' और गलत के सामने 'गलत' लिखिए:

1. कबीर का जन्म 14वीं शताब्दी में हुआ था। ☐
2. कबीर गुरु को गोविंद (ईश्वर) से भी ऊँचा स्थान देते हैं। ☐
3. "खजूर का पेड़" उपमा फलदायी और उपयोगी व्यक्ति के लिए दी गई है। ☐
4. कबीर के अनुसार मधुर वाणी से दूसरों को शीतलता मिलती है। ☐
5. कबीर मानते हैं कि आलोचक हमें सुधारने में मदद करते हैं। ☐

(घ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 2-3 वाक्यों में दीजिए।

1. कबीर 'साधु' से क्या अपेक्षा करते हैं?
   उत्तर: ____
   ____
2. "साँच बराबर तप नहीं" दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए।
   उत्तर: ____
   ____
3. खजूर के पेड़ का उदाहरण देकर कबीर क्या संदेश देना चाहते हैं?
   उत्तर: ____
   ____
4. कबीर के अनुसार मधुर वाणी का महत्व क्या है?
   उत्तर: ____
   ____
5. कबीर आलोचक को जीवन में क्यों आवश्यक मानते हैं?
   उत्तर: ____
   ____

(ङ) नीचे दिए गए प्रश्नों के 4-5 वाक्यों में दीजिए।

1. कबीर के दोहों में 'गुरु' की महिमा का वर्णन कीजिए। उदाहरण सहित।
   उत्तर: ____
   ____
   ____
   ____
   ____

2. कबीर के विचार आज के समाज में किस प्रकार प्रासंगिक हैं? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
   उत्तर: ____
   ____
   ____
   ____
   ____

(च) व्याकरण और भाषा अभ्यास

1. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

i. साधु	-	________	iv. काया	-	________
ii. पंथी	-	________	v. बानी	-	________
iii. सूप	-	________	vi. मन	-	________

2. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

i. सत्य	X	________	iv. बुरा	X	________
ii. मित्र	X	________	v. बड़ा	X	________
iii. निर्मल	X	________	vi. गुरु	X	________

3. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए।

i. सत्य + आचरण	-	________	iv. राम + उपासना	-	________
ii. गुरु + उपदेश	-	________	v. सु + आचार	-	________
iii. मन + ईश्वर	-	________	vi. मधुर + वाणी	-	________

4. निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध कीजिए।

i. गुरु गोविंद से छोटा है। - ____________________
ii. खजूर का पेड़ छाया देता है। - ____________________

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

i. साधु - ____________________
ii. शीतल - ____________________
iii. आँगन - ____________________
iv. छाया - ____________________
v. तप - ____________________

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

Answer

(क) बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर:

1. जैसे सूप 2. केवल नाम के बड़े लोगों की 3. साधु संगति से
4. सच सबसे बड़ा तप है 5. पक्षी से

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति:

1. साधु वह है जो अच्छा-बुरा अलग करे और केवल सत्य को अपनाए।
2. केवल बड़ा होना उपयोगी नहीं, जैसे खजूर का पेड़ न छाया देता है न फल पास में।
3. विचार के बिना ज्ञान नहीं और साधु संगति के बिना अहंकार नहीं मिटता।

(ग) सही-गलत:

1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही

(घ) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. कबीर साधु से अपेक्षा करते हैं कि वह सूप की तरह अच्छा-बुरा अलग करे। वह समाज में सत्य और अच्छाई को अपनाए तथा असत्य और बुराई को दूर करे।
2. सच बोलना सबसे बड़ा तप है और झूठ बोलना सबसे बड़ा पाप। सच्चाई ही जीवन को महान बनाती है।
3. केवल बड़ा या धनी होना उपयोगी नहीं। जैसे खजूर का पेड़ न छाया देता है न फल पास में, वैसे ही बड़े लोग भी समाज के काम आएं तभी उनका महत्व है।
4. मधुर वाणी से दूसरों के मन को शीतलता मिलती है और समाज में प्रेम व शांति बनी रहती है।
5. आलोचक हमें हमारी कमियाँ बताकर सुधारने का अवसर देते हैं। इसलिए वे हमारे लिए हितैषी होते हैं।

(ङ) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. कबीर ने गुरु को गोविंद (ईश्वर) से भी बड़ा माना है। उनका कहना है कि यदि गुरु और ईश्वर दोनों सामने खड़े हों तो पहले गुरु को प्रणाम करना चाहिए क्योंकि गुरु के बताए मार्ग से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है। गुरु ही हमें सत्य, ज्ञान और सदाचार का मार्ग दिखाते हैं।
2. कबीर के विचार आज भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। उन्होंने सत्य, सरलता, गुरु की महिमा, मधुर वाणी, और अच्छे संगति का महत्व बताया। आज के समाज में यदि हम इन्हें अपनाएँ तो ईमानदारी, भाईचारा और शांति स्थापित हो सकती है।

(च) व्याकरण और भाषा अभ्यास:

1. पर्यायवाची

i. संत ii. यात्री iii. चलनी iv. शरीर v. वाणी vi. चित्त

2. विलोम

i. असत्य ii. शत्रु iii. मलिन iv. अच्छा v. छोटा vi. शिष्य

3. संधि

i. सत्याचारण ii. गुरूपदेश iii. मनीश्वर iv. रामोपासना v. साचार vi. मधुर्वाणी

4. शुद्ध वाक्य

i. गुरु गोविंद से भी ऊँचा माना गया है। ii. खजूर का पेड़ छाया नहीं देता।

5. वाक्य प्रयोग

i. साधु – गाँव में एक साधु प्रवचन देने आए।
ii. शीतल – पेड़ की छाया बड़ी शीतल लगी।
iii. आँगन – बच्चे आँगन में खेल रहे थे।
iv. छाया – वटवृक्ष की छाया में यात्री विश्राम कर रहे हैं।
v. तप – सच्चाई का पालन करना भी एक तप है।